BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

02855

Term-End Examination

December, 2019

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART – II

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer* ***all five*** *questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

---

1. Explain the various types of fundamental rights assured in the Indian Constitution. *20*

OR

What do you understand by Bhakti Movement ? Explain the nature and characteristics of Bhakti Movement and the factors that helped in its development. *20*

2. Examine the Samkhya theory of evolution. *20*

OR

Give an account of the metaphysical categories of Vishishtadvaita philosophy. *20*

3. Answer any *two* of the following questions in about 200 words each :

(a) Discuss the epistemology of Advaita Vedanta. 10

(b) Mention the contributions of Swami Dayananda Saraswati and Arya Samaj in the reform movement of India. 10

(c) Give an account of perception as a valid pramana in Nyaya epistemology. 10

(d) Explain briefly the role of religion and ethics in the philosophy of S. Radhakrishnan. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :

(a) Distinguish between Akhyativada and Anirvac̄aniya Khyativada. 5

(b) Briefly explain the proofs for the existence of Prakriti. 5

(c) Describe the important features of the philosophy of Sri Aurobindo. 5

(d) Why did Ambedkar want to separate depressed classes from Hinduism ? 5

(e) Give a brief account of ISKCON Movement. 5

(f) Explain briefly the important philosophical schools of Shaivism. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Arthapatti or Postulation

(b) Niyama

(c) Satyagraha in Gandhian Thought

(d) Secularism in India

(e) Brahma Samaj

(f) Ramakrishna Math

(g) Shaiva Siddhanta

(h) Maya in the Advaita School of Thought

बी.पी.वाई.-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग – II

: 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

: ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं.* ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

भारतीय संविधान में प्रस्तावित विभिन्न प्रकार के मूल अधिकारों की व्याख्या कीजिए । 20

अथवा

भक्ति आन्दोलन से आप क्या समझते हैं ? भक्ति आन्दोलन की प्रकृति एवं विशेषताओं और इसके विकास में सहायक कारकों की व्याख्या कीजिए । 20

सांख्य के उद्‌विकास-सिद्धांत (theory of evolution) का परीक्षण कीजिए । 20

अथवा

विशिष्टाद्वैत दर्शन की तत्त्वमीमांसीय कोटियों (categories) का विवरण दीजिए । 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) अद्वैत वेदान्त की ज्ञानमीमांसा पर चर्चा कीजिए ।

(ख) भारतीय सुधारवादी आन्दोलन में स्वामी दयानन्द सरस्वती एवं आर्य समाज के योगदानों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) न्याय ज्ञानमीमांसा में प्रस्तुत वैध प्रमाण के रूप में प्रत्यक्ष प्रमाण का विवरण दीजिए ।

(घ) एस. राधाकृष्णन के दर्शन में धर्म एवं नीतिशास्त्र की भूमिका की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) अख्यातिवाद और अनिर्वचनीय ख्यातिवाद के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) प्रकृति की सिद्धि में प्रस्तुत प्रमाणों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

(ग) श्री अरबिन्दो के दर्शन के मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए ।

(घ) अम्बेडकर दलित वर्गों को हिन्दू धर्म से अलग क्यों करना चाहते थे ?

(ङ) इस्कॉन (ISKCON) आन्दोलन का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

(च) शैव दर्शन के महत्त्वपूर्ण दार्शनिक सम्प्रदायों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अर्थापत्ति या याचना (अभ्युपगमन) *4*

(ख) नियम *4*

(ग) गाँधीवादी चिन्तन में सत्याग्रह *4*

(घ) भारत में धर्मनिरपेक्षतावाद *4*

(ङ) ब्रह्म समाज *4*

(च) रामाकृष्ण मठ *4*

(छ) शैव सिद्धांत *4*

(ज) अद्वैत दर्शन में माया *4*